**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 217**

**01 दिसंबर, 2015 को उत्तर के लिए**

**रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में रिक्त पड़े पद**

**217. श्री विवेक गुप्ता :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या मंत्रालय को इस बात की जानकारी है कि डीआरडीओ में काफी संख्या में स्वीकृत पद खाली पड़े हुए हैं;
2. यदि हां, तो डीआरडीओ में स्वीकृत एवं रिक्त पदों की रैंक-वार कुल संख्या कितनी है;
3. विगत तीन वर्षों के दौरान डीआरडीओ से त्यागपत्र देने वाले कर्मचारियों का वर्ष-वार एवं रैंक-वार ब्यौरा क्या है; और
4. इस समस्या के समाधान हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) जी, हां ।

(ख) रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में प्राधिकृत पदों की कुल संख्या, विद्यमान संख्या और रिक्त पदों का विवरण संलग्न अनुबंध ‘क’ में दिया गया है ।

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान डीआरडीओ से इस्तीफा देने वाले समूह ‘क’ और ‘ख’ के राजपत्रित कर्मचारियों के ब्यौरे संलग्न अनुबंध ‘ख’ में दिए गए हैं ।

(घ) डीआरडीओ छोड़ने वाले वैज्ञानिकों ने अपने वैयक्तिक/घरेलू प्रयोजनों को कारणों के रूप में बताया है । तथापि, ऐसा अनुमान लगाया गया है कि इस प्रकार के इस्तीफों के लिए अन्यत्र उपलब्ध बड़े अवसर/प्रोत्साहन संभावित कारण हो सकते हैं ।

सुधारात्मक उपायों के रूप में निम्नलिखित प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं:-

* वैज्ञानिकों हेतु प्रत्येक ग्रेड में पदोन्नति पर दो अतिरिक्त वृद्धियां ।
* वैज्ञानिकों को फास्ट ट्रैक पर दी जाने वाली पदोन्नतियों पर छः परिवर्ती वेतन वृद्धियां तक प्रदान करना और डीआरटीसी संवर्ग के कर्मचारियों को तीन वृद्धियां देना ।
* सभी वैज्ञानिकों को व्यवसायिक अद्यतन भत्ता ।
* डीआरडीओ प्रायोजित अभ्यर्थी के रूप में ख्याति प्राप्त संस्थानों जैसे आईआईटी/आईआईएससी इत्यादि में उच्च शैक्षिक योग्यता अर्जित करने के अवसर ।
* उनके योगदान इत्यादि की मान्यतास्वरूप युवा वैज्ञानिक, वर्ष के सर्वोच्च वैज्ञानिक और अन्य डीआरडीओ पुरस्कार प्रदान करना ।
* कार्य स्थलों और आवासीय परिसरों में भी उत्कृष्ट अवसंरचना सुविधाएं तैयार की गई हैं ।

\*\*\*\*\*

**रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के रिक्त पदों के बारे में राज्य सभा में दिनांक 01.12.2015 को उत्तर दिए जाने के लिए अतारांकित प्रश्न संख्या 217 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

**01 नवंबर, 2015 के अनुसार डीआरडीओ में प्राधिकृत विद्यमान और रिक्त पदों की संख्या निम्नानुसार है :-**

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्रम सं.** | **संवर्ग** | **प्राधिकृत**  **(क)** | **विद्यमान संख्या**  **(ख)** | **रिक्त पद**  **(ग = क - ख )** | **रिक्तियां पहले ही भर्ती के लिए जारी की गई है**  **(घ)** | **निवल रिक्त पद**  **(ड़ = ग-घ)** |
| 1. | रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (डीआरडीएस) (सेना अधिकारियों सहित) | 7878 | 7870 | 08 | 143\* | -135 |
| 2. | भर्ती और मूल्यांकन केन्द्र (आरएसी) अध्यक्ष | 01 | 00 | 01 | 01 | 00 |
| 3. | वर्क्स अफसर | 53 | 43 | 10 | 00 | 10 |
| 4. | रक्षा अनुसंधान और तकनीकी संवर्ग (डीआरटीसी) (पीबीओआर सहित) | 14748 | 11145 | 3603 | 2903 | 700 |
| 5. | प्रशासन और सम्बद्ध संवर्ग | 10762 | 6090 | 4672 | 579 | 4093\*\* |
|  | **कुल** | **33442** | **25148** | **8294** | **3626** | **4668** |

\* रिक्त पदों और सेवानिवृत्ति के कारण प्रत्याशित रिक्तियां जारी की गई हैं ।

\*\* संवर्ग पुनरीक्षा के कारण मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) की भर्ती में देरी हुई ।

**रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के रिक्त पदों के बारे में राज्य सभा में दिनांक 01.12.2015 को उत्तर दिए जाने के लिए अतारांकित प्रश्न संख्या 217 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध**

**2013, 2014 और 2015 के दौरान इस्तीफा देने वाले समूह ‘क’ और ‘ख’ के राजपत्रित अधिकारियों के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं:-**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्रम सं.** | **संवर्ग** | **2013** | **2014** | **2015 (01 नवंबर, 2015 की स्थिति के अनुसार)** |
| **1.** | रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (डीआरडीएस) (सेना अधिकारियों सहित) | 57 | 29 | 31 |
| **2.** | वर्क्स अफसर | 00 | 00 | 00 |
| **3.** | रक्षा अनुसंधान और तकनीकी संवर्ग (डीआरटीसी) (पीबीओआर सहित) | 01 | 04 | 02 |
| **4.** | प्रशासन और सम्बद्ध संवर्ग | 00 | 00 | 00 |
|  | **कुल** | **58** | **33** | **33** |